

REPORT

Matrabhasha Diwas- 21.02.2022

Report on celebration of Poetry Competition on Matrabhasha Diwas (Mother Language day) at Tecnia Institute of Advanced Studies, Rohini on 21.02.2022

Event	: Poetry Competition on Matrabhasha Diwas (Mother Language day)
Convener	: Ms. Vaishali Prasad, NSS- Nodal Officer
Date	: 21st February, 2022
Day	: Monday
Time	: 12:00 PM - 01:00 PM
Event Mode	: Offline
Venue	: Multipurpose Hall, PG Building, TIAS
Participants	: Students of MBA/BBA/BCA/BA(JMC) Programme
No of Participants	: 14



OBJECTIVES

1. To enlighten students with the importance of their native language.
2. To help them in understanding the rich lingual culture of the country.
3. To portray Mother Tongue as a symbol of pride for all the countrymen/women.
4. To celebrate this day is to promote and propagate the Mother language.

REPORT

International Mother Language Day (IMLD) formally recognized by UNESCO on 17 November 1999 with the adoption of UN resolution 56/262 Multilingualism in 2002. IMLD is proclaimed for worldwide annual observance on 21 February; with objective to promote awareness of linguistic and cultural diversity and to promote multilingualism. The student volunteers of NSS and Literary Club of Tecnia Institute of Advanced Studies celebrated IMLD in the Campus as a mark of acknowledgement of Mother Tongue as the Language. Dr Ajay Kumar Director TIAS highlighted about globally 40 % of the population does not have access to an education in a language they speak or understand. Multilingual and multicultural societies exist through their languages which transmit and preserve traditional knowledge and cultures in a sustainable way. Dr. Ashutosh Bajpai, HOD-MBA highlighted that relevance of mother language, emphasized on speaking in public without inhibitions as it's a carrier of our cultural and linguistic diversity for

sustainable societies and should feel proud of it. He spoke about Language hierarchies. IMLD helps in nourishing traditional values and glorifying them to reinforce the languages' status.

Throughout history, poets have used this communication medium to express their thoughts, feelings, ideas and perspectives. By using rhythm, rhyme, meter and line breaks, poets have addressed everything from the nature of love or the beauty of a spring day to complex social issues. By participating in such events students can gain a greater understanding, not only of literature and language; but of themselves human relations and the world they live in. The event invited 14 amazingly talented Poets to perform their best pieces filled with emotions.

Mr Surbhit, BA(J&MC) student and other participants discussed about influence of foreign language; but also reiterated that natural flow comes through the mother tongue as the child starts thinking process in it. Later, the students mentioned about the two contradictory attitudes towards English – English as the aspirational language which brings cultural capital, and English as the language of the “show-offs”. The idea to celebrate International Mother Language Day was the initiative of Bangladesh. It has been celebrated throughout the world since 2000. UNESCO believes preserving the differences in cultures and languages that foster tolerance and respect for others.

LEARNING OUTCOME:

Students gained in the following areas:

1. Generated the inquisition towards literature and writing skills.
2. Better appreciation of the poetry, as a literary art form.
3. Recognition of the rhythms, metrics and other musical aspects of poetry.
4. Development of creativity and enhancement of the writing skills.

GLIMPSE



अमलीम की रजार्ई ओके,
हीरान रातो में,
एक ही कपाल आल है की
चुद से मोहम्बत कर नेते लोह बेहतर होता।

Komal Rawat
BA/JMCU
M/A



Har Din Kuchh Naya

MAI HAR DIN KUCHH NAYA SIKHTA HU.
KABHI KISI PICTURE KI KAHANI SE SIKHTA HU
TO KABHI APNI HI KHUD KI HUI NADAANI SE SIKHTA HU.

KABHI KRISHNA KI VANI SE SIKHTA HU -
TO KABHI GURU KI GURBANI SE SIKHTA HU.

MAI HAR DIN KUCHH NAYA SIKHTA HU..

KABHI CHAND TARU SE BHARI RATON SE SIKHTA HU
TO KABHI KUCHH KAH UNLEAH RATON SE SIKHTA HU.

KABHI KABHI TO LOGO KI DI HUI GAALIB SE SIKHTA HU
AUR KABHI UN QAWWALON KI GAAYI HUI QAW WALIO SE SIKHTA HU.

MAI HAR DIN KUCHH NAYA SIKHTA HU..

KABHI KARBAD PAR TAINAT JAWANO SE SIKHTA HU
TO KABHI KABHI IN AASHIQ DEEWANO SE SIKHTA HU.

KABHI BHASHAN DENE WALE NETAO SE SIKHTA HU
TO KABHI DIALOGUE BOLNE ABHINETAO SE SIKHTA HU.

MAI HAR DIN KUCHH NAYA SIKHTA HU..

AB KYA KARI JANAB
TU HAR DIN TO EK-THI SIKHTA SIKHTA AB
TU BADAAT BAN GYI HAI
TU KABHI TO NAHI HAI HAMBSE, JRE KOI
BHADAT BN GYI HAI

Sarthak Jain

4th Semester
Div B , M
BAJMC

अब के आना तो...

अब के आना तो, सब साथ ले जाना,
ये पढ़ा, ये इरक के हर बात ले जाना ।
तुझे देख बिन आँखों से कभी नूँ झलकता था,
उन आँखों से बरसते बरसते ले जाना ।

अब के आना तो सब साथ ले जाना...

अब हम पेश ना होंगे कितने धीं इरक के छिंदमा में,
कितने ने सब कहा था मिलना मुकम्मल नहीं सबके छिंदमा में ।

तुम कहते थे मिलते हैं जो, वो खयालात ले जाना,
अब के आना तो सब साथ ले जाना...

सोचता हूँ रोब तुझको, नामुकम्मल ख्याब हो बैसै,
तेरी हर अदा हबहूँ मुझे याद हो बैसै...

गुबली नहीं वो करवटे बदलते वो राग ले जाना,
अब के आना तो सब साथ ले जाना...



- सुमित शुक्ल
BAJMC (4EB)



Abhishek Sajwan
BA(JMC)
4TH SEM / M/A

क्यों है तू थक रहा!!
अबिहर क्यों है तू थक रहा
क्यों है तू थक रहा
एक तरफ तो जलने रीती एक आग है
फिर भी कुछ नहीं कर पा रहा
व्यर्थिक आनंदविभूषण से जेरे दाग है
जगमग और थल थल
अंतरआत्मा का बस एक ही सवाल है
कि कैसे कुछ किय बिना है तू थक रहा

क्यों परेशानियों के सामने तू थक रहा
है सब दिख रहा...उन जग के
पालनहारी को
तू बस काम कर और पहले उसका
नाम कर
तू बस सब रख बापद तेरी अलगपानी
अपनी है जो जिय रहा
तो क्यों है तू थक रहा
क्यों है तू थक रहा
कब लेता दिखे है यह कब रहा
तो क्यों है तू उर रहा
उस तरह ये बसले से
जिबक राह ये क्यों भी ना चल रहा
हो मानना हूँ ये इत लेता हाहाय्य है
सागर से भी जानना हूँ
कि इस कर से आगे बढ़कर जो जीत
रहा

हो जीत उसी की मान्य है
हो जीत उसी की मान्य है
तू कहता है--
मेरा क्या कर्जुद है दगादगी पर मैं चल
रहा
याद रख इन्सान है तू कलमून का
विकृतियों की राह में जो चल रहा
उसको इधियार बना
जो कुछ अब तक तुम है बहा
तू बस रख विश्वास
उस एब में है ये बहा
तो क्यों है तू थक रहा
क्यों है तू थक रहा
है सब दिख रहा उस जग के पालनहारी
को
है सब दिख रहा उस बाँके बिलारी को
तू बस काम कर और पहले उसका
नाम कर
तू बस सब रख तू बस सब रख!!!!

मोहब्बत अब नहीं होगी

तुम है फिर इस कदर
की खोज अब नहीं होगी,
मगर हमें है तुमरी
की मोहब्बत अब नहीं होगी।
मगर अब भी बचता है,
वे जो भी तुम है बंधा।
उस पर है कदम,
बलात्कार अब नहीं होगी।

देख कर बलात्कार का तुम्हें बेहोश ना जो सुनकर हो कोई,
कैसे भी सुना तुमों का बचाना हो कोई,

कलम एक कदर तुम
की सुनकर अब नहीं होगी,
मगर हो गई है तुमरी
की मोहब्बत अब नहीं होगी।

तुम्हें बलात्कार का ना इस दिन ने किसी भी अर्थ में,
तुम बच और और तुम जानते नहीं थे,
अब दिन में कभी ना,
तुम्हारी बलात्कार अब नहीं होगी,
मगर हो गई है तुमरी
की मोहब्बत अब नहीं होगी।

किस टैली में अतिथि किन जल्दी कई बने,
मिथ्या ही कलम का ना, तुम जल्दी से बने,

किन्तु फिर से बहा ना तुम,
जो बहा अब नहीं होगी,
मगर हो गई है तुमरी
की मोहब्बत अब नहीं होगी।

पंडेकर बलात्कार का एक बचपन जो कदमों से बचा बोलेंगे,
किस टैली में जो काई एक बोलेंगे,

कलमों का एक कदम है बचाना,
उसमें तुम किन्तु ना, अब नहीं होगी,
मगर हो गई है तुमरी
की मोहब्बत अब नहीं होगी।

बलात्कार है अब बच में कि तुम तुम बच,
बने ऐसी इस की कलम का और हम तुम जल्दी,

अब जल्दी ही कोई,
कलम अब नहीं होगी,
मगर हो गई है तुमरी
की मोहब्बत अब नहीं होगी।



Aditi shukla
BA(JMC)
4TH SEM
M/A

बलात्कार

4 मजदूरी का कदम है ना वे
किसी की जिंदगी थी बच बलात्कार
कोई अंधेरी रात में किन्तु कलम का
जो कोई तुमों सुन के बचपन का बचा

क्या कर लोनें तुम इन जल्दी सुनो का, उसके लोनें के बच, अलायन उठाने बच!
अरे जो बलात्कार का बच उसके किन्तु के साथ जो भी फिर लोनें के बचने बच बचा

न मजदूरी काई लोनें में
न बलात्कार का बच उठाना
न कलम और कलम को बचाने
न कलम के लिए अलायन उठाना

मारी बच बच जल्दी ही जो काई उठाना तुमों में
उसके लिए बलात्कार और फिर अतिथि में किन्तु की धुंध रिखाई

अब फिर बचाना का बलात्कार थी बच
किन्तु से एक किन्तु जल्दी है
इस इलाके में भी तुमों में
किन्तु से एक बेटी जल्दी है

इस मजदूरी की आज में बच बलात्कार बचाना है
तुमों के लिए से बलात्कार के लोनें में मैं अलायन बचाना है

तु बचाने में अलायन किन्तु जो से बच बलात्कार का बच जल्दी
वे किन्तु न तुम कर जल्दी इस किन्तु जल्दी
तुमों का बच जल्दी बचाने पर जल्दी
कलम उठाना बच जल्दी
वे बच बलात्कार बचाना बच जल्दी



अंशु बटनगरी
BBA | Eve | 4A



समृद्धि शर्मा
BBA Sem-1
Div-B(Evening)

पंख देकर खुद से ही
रुकने को कह जाते है
चाहते तो है वो बहुत कुछ
पर इस समाज से घबराने है
सपने पूरे करना हमारा
उनका भी तो ख्याल है
देख हमें उचाइयों पर
बढ़ता उनका अभिमान है
हमारी ही तो खुशियों में
बसा उनका संसार है
यह खबरें चोरी हिंसा की
उनके जी का जंजाल है
घोट हमारे लग जाए
वो सेहन नहीं कर पाते है
बाहर हमारे जाने पर
वो जाएं ही घबराने है
बलात्कार के हाल देख
सब शर्मिदा हो जाते है
ऐसे इस माहौल में वो
कैसे तुमको कहीं जाने दे
बेटी हो तुम उनकी
कैसे तुम्हें वो खो जाने दे

Waqt waqt ki baat hai..



Manya grover

Waqt waqt ki baat maine waqt badalte dekha hai
Jise unmeed ne thi badalte ki unhe saath chodhte dekha hai
Jise se pyare jo the unhe pyare hote dekha hai ,maine apne year ko bhi badalte dekha hai
Kon khatra hai maine badalte nhi
Maine toh jise se anjeen banne ko saath bhi dekha hai
Waqt waqt ki baat hai maine waqt badalte dekha hai.

Jo jise karne hai nhi ek din usko door hogata hai
Kisi jise se anjeen banata hai.
Minto mai saath badal leta h .

kon khatra hai hote nhi rakhne punare koi naye ke sajane se
maine toh apni aankhon apni jise ko door hote dekha hai
Waqt waqt ki baat hai maine waqt badalte dekha hai..

Doat kayi hai per har baar zaroorat pahne per khud ko akela peaye hai
Hi maine har dard ko akela he saha hai
Khatra toh sab hai ki samjhte hu mai ,

Per asal mai koi samjhne wala mila he kaha hai
Maine toh zindagi bhar hath pakch ko
chhine ke vande lene wale logo ko bhi badalte dekha hai.
Waqt waqt ki baat hai maine waqt badalte dekha hai.

Unmeed thi jise saath nibhane ki usse mujhe peechhe chudate dekha hai
Maine khudko akelaapan mai dard saha dekha hai

Aankh bnd krke vishwas the jise use hai aur ke bne badalte dekha hai

Waqt waqt ki baat hai maine waqt ko badalte dekha hai..

More karnet the jo sabse , use kisi aur ke hote dekha hai

Waqt waqt ki baat h ,maine waqt badalte dekha hai



Anamika Pandey
BA(JMC) 4th sem
M/A

निकले कहाँ किस राह पर अंधेरा
है यहाँ
क्यूँ करते हो इश्क़ रुहानी नक़ली
आशिकों का डेरा है यहाँ
ये सवाल खुद से करती हूँ मैं
अक्सर
की क्यूँ हो इंतेज़ार में कौन तेरा

LIST OF BENEFICIARIES

S.No	Name	Remarks
1	Anamika Pandey	1st
2	Sarthak jain	2nd
3	Namrata Grover	Participant
4	Aditi Shukla	Participant
5	Ayushi	Participant
6	Komal Rayat	Participant
7	Samriddhi sharma	Participant
8	Abhishek Sajwan	Participant
9	Sumit Shukla	Participant
10	Surabhit	Participant
11	Yiesha	Participant
12	Vishesh	Participant
13	Rishika	Participant
14	Varun	Participant

Ms. Vaishali Prasad
Program Officer-NSS